



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3727]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 19, 2018/भाद्र 28, 1940

No. 3727]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 19, 2018/BHADRA 28, 1940

पर्यावरण, वन जलवायु मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 2018

का.आ. 4894 (अ).— मंत्रालय प्रारूप अधिसूचना का.आ. 3351(अ.), दिनांक 29 दिसम्बर, 2015 के अधिक्रमण में, अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य (431.23 वर्ग किलोमीटर) कर्नाटक राज्य के शिवमोग्गा जिला में अक्षांश 130 54' से 14° 12' उत्तर और देशांतर 740 38' से 75° 00' पूर्व के बीच स्थित है। शेरावती वन्यजीव अभयारण्य, 'पारिस्थितिकी

संवेदी जोन' उत्तर में अक्षांश 130 53' 40" से 740 46' 21.581" और पूर्व में देशांतर 740 34' 50" से 750 00' 15" के बीच स्थित है और इसे सरकारी आदेश सं ए एफ डी70/एफ डब्ल्यू एल 71/दिनांक 20.04.1972 द्वारा अधिसूचित किया गया था और एएफडी/12/एफडब्ल्यूएल/74 दिनांक 27.06.1974. द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के उपबंधों के अन्तर्गत अंतिम अधिसूचना के साथ इसका क्षेत्रफल 431.23 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है। सगरा क्षेत्रीय संभाग से 6 राज्य वन, पन्डुवली क्षेत्र और द्वीपों को लेने के बाद 16.04.1987 से वन्यजीव संभाग स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य शिवमोग्गा जिला के सगरा तालुक के भागों में फैला हुआ है। अभयारण्य का भौगोलिक क्षेत्रफल 431.23 वर्ग किलोमीटर है जिसमें से 123.63 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शेरावती जलाशय के फैले जल के अधीन है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 530.72 वर्ग किलोमीटर है। यह क्षेत्र नम पर्णपाती, अर्ध सदा हरित, शोला वनों और 'पश्चिम घाट' की सयार्दि पहाड़ियों के सदाहरित वनों द्वारा आच्छादित है; जो वन ट्रेक का शानदार और मूल्यवान भाग है। अत्यधिक जैवीय दबाव के बावजूद अभयारण्य के भाग अपनी प्राचीन, सघन और विविधता पूर्ण वनस्पति को बनाए रखने में समर्थ रहे हैं। इसलिए, यह पूर्ण रूप से अनिवार्य है कि विद्यमान संसाधनों को न केवल प्रभावी रूप से संरक्षित किया जाए किंतु संसाधनों में और सुधार लाने के लिए समुचित कदम भी उठाए जाएं।

और, अभयारण्य में वनस्पति और जीवजंतु दोनों की विभिन्नता और विविधता अत्यधिक समृद्ध है। इन वनों में मूल्यवान वृक्ष प्रजातियां हैं जिसमें सागौन, चंदन; रोजवुड, हनी, नंदी आदि शामिल हैं और यह वन्यजीव जैसे जंगली भैंसा, चित्तीदार हिरण, सांभर, बाघ और अजगर को आश्रय देता है। यह क्षेत्र सरीसृपों और पक्षीवृंद संख्या में भी बहुत समृद्ध है। पहाड़ी क्षेत्र शेरावती नदी, छोटे और बड़े नालों के साथ बेसिन के लिए जलग्रहण क्षेत्र का निर्माण का भी कार्य करता है। इस अभयारण्य में अनेक जड़ी-बूटियां, झाड़ियां, फर्न और घास है जिनमें से कुछ का सर्वेक्षण और सूचीबद्ध किया जाना है।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य में स्तनधारियों की दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां जैसे *बाघ* (पैथेरा टीगरिस), धोले (कुउन अलपिनस), मालाबारा सिवित(विवेरा सिवेट्टिना), भूरा मुसंग (परादाक्यरूस जरदोनि), रूस्टय स्पोट्टेड कैट (पिरिओनाइलरूस रूबिगिनोस), लाइउन टइलेड मकाक्यू (मकाका सिलेनुस), ओरिएंटल चलावड ओटर (ऑयक्स किनेराराय), स्मूथ कोउटेड ओटर (लुटरोगले पेरस्पिकिल्लाटा), हाथी(एलिफस मक्मुस), दुस्केय स्टरिपेड स्क्यूरेल (फुनाम्बुलुस सुबलिनेटुस) आदि पाए जाते हैं।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य में सरीसृपों की दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां जैसे मार्श करोकोदीले (करोकोडयलुस पलुस्टरिस) पाई जाती है।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य में उभयचरों की दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां टोड (दुट्टाफरयनुस बेहोमि), मालाबार टोरेट टोड (घटोफरयने ओर्नट), सह्यदरिफेजेवरया (फेजेरवारया साहयादरिस), मुद्दुराजा क्रिकेट फरोग (फेजेरवारया मुद्द राजा), मांगालोरे क्रिकेट फरोग (फेजेरवारया गरानोसा), मालाबार ट्री टोड (पेदोस्टिबेस तुबेरकुलोसुस), मारबलेड रमानेल्ला (रामनेल्ला मोरमोरटा), जोग नाइट फरोग (नयकटीबटराचुस जोग), हुमायुस नाइट फरोग (नयकटीबटराचुस हुमायनि), अम्बोली बस फरोग (पसेउदोफिलाउटुस अम्बोलि), वयनाड बस फरोग (पसेउदोफिलाउटुस वयनादेसिस), कर्नाटका बुब्बले नेस्ट फरोग (रओरचेस्टेस चरिउस), पॉमुदी बस फरोग (रओरचेस्टेस पॉमुदी), स्मोल ट्री फरोग (रहाकोफोरूस लटेरालिस) आदि पाई जाती है।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य में सांपों की दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां किंग कोबरा (ओफिओफगुस नाच्नाह), विटकेस बोअ (इरयक्स विटकेरी), ब्लैक बिल्लिड सिइलेड टइल (टरेटरूस संगुइनेउस), वयनाड सिइल्लेड टैल (मेलानोफिदिउम वयनाउदेसे) आदि पाई जाती है।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य में पक्षियों की दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां बूल्ली नेक्केड स्टोक (किकोनिया इपिस्कोपुस), लेस्सेर अदजुटंट स्ट्रोक (लेप्टोप्टिलोस जवानिकुस), साहें फल्कोन (फलको पेरेगरिनेस पेरेगरनाटोर) आदि पाई जाती है।

और, शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य में पाई जाने वाली वनस्पति की दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां फरांगिपानी विने (चोनेमोरफा ग्रांटीफलोरा, (रोथ) एम.आर.और एस. एम. अल्मिदा), शर्पगधा (रउवोलफिया सेपेंथ) एल. वेथ. कुर्ज.), (रफिदोफोरा लाकिनिटा (एन. बुर्न) मेरिल्ल), ब्लैक दुम्मर (कनारियम स्टरिकतुम रोक्सब.), अशोका ट्री (सराका असोका (रोक्व.) दे विल्दे), कोकुम (गरकिनिया इंडिका (थोउरस) चोइसय), मयसोरा गम्बोगेश (गरकिनिया मोरेल्ला (गैरथ.) देसर.), कम्बि गुम ट्री (गरदेनिया गुम्मिफेरा लिन्न.), (दीपटरोकेरपुस इंडिकुस बैडड.), पोंगा (होपेया पोंगा (देन्नस्ट.) माब्बेरलेय), सलधोपा (बेटेरिया इंडिका एल.), (दीओस्पयरोस कंदोल्लेअना वट.), पनिकलेड इबोंय (दीओस्पयरोस पनिकुलाटा डाल्ज.), जुंगले अल्मोंडा (हयदनोकरपुस पेंटंदरा (बुस-हम.) ओकेन), सलाकिया (सलाकिया ओबलॉंगा वाल्ल), घनेरा (नोथपोदयटेस निम्मोनिअना.) माब्बा.), लार्ज फलोवेरेड वार्य ट्री (पेरेअम अकरांथा (नैस) कोस्टेर्म), (दयसोक्यलुम मालाबरिकुम बेडु.), वाइल्ड जक (अरटोकरपुस हीर्मुटस लम.), बिट्टेर नुटमेग (मयरीस्टीका दकटयलोइडेस गैर्टन.), रोसेवुड (दाल्बेरगिया लतीफोलिया रोक्कव.), (प्सेउदरथरिया विस्किदा (एल.) विघट और अर्न.), होंदाला (अदेनिया होंदाला (गैर्टन.) दे विल्दे), वाइट संदाल्बुड (शंतलुम अल्बुम लिन्न.), (पटरोस्पेरमुस रेटीकुलातुम वटा और.), लोधरा (स्यम्पलोकोस रेकेमोका रोक्सब.), (अफनांथे कुस्पिदाते (बल.) पलांच.), हील्ल तुरमेरिक (करकुमा पसुइदोमोटाना ज. ग्रांहाम) आदि हैं।

और, इस क्षेत्र का परिरक्षण और संरक्षण करना आवश्यक है तथा जिसके विस्तार और सीमाओं को इस अधिसूचना के पैरा में 1 शेरावती घाटी अभयारण्य के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है और पर्यावरण की दृष्टि से उद्योगों या उद्योगों के वर्ग को तथा उनकी संक्रियाओं और प्रक्रियाओं को उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) एवं उपधारा (3) के खंड (v) और खंड (xiv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्नाटक राज्य में शेरावती वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1.0 किलोमीटर से 13.80 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को शरावती वन्यजीव अभयारण्य पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा--**(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार शरावती वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर 1.0 किलोमीटर से 13.80 किलोमीटर तक फैला हुआ है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्र 530.72 वर्ग किलोमीटर है।

(2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा के संरक्षित क्षेत्र का मानचित्र **उपाबंध-II** में दिया गया है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और संरक्षित क्षेत्र की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची क्रमशः **उपाबंध-III (क) और (ख)** में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध-IV (क) और (ख)** के रूप में संलग्न है।

(6) शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी जोन के अंतर्गत आने वाले रिज़र्व/ अधिसूचित वनों का कुल विस्तार 256.11 वर्ग किलोमीटर है। विवरण उपाबंध -V के रूप में संलग्न है।

2. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना--** (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनायेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी।

(3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:-

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) कृषि;
- (iv) राजस्व;
- (v) शहरी विकास;
- (vi) पर्यटन;
- (vii) ग्रामीण विकास;
- (viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- (ix) नगरपालिक;
- (x) पंचायती राज;
- (xi) लोक निर्माण विभाग;
- (xii) राजमार्ग;
- (xiii) कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों की बहाली, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का निर्धारण किया जाएगा तथा सहायक मानचित्र भी दिया जाएगा। इस महायोजना में विद्यमान और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा देने वाले मानचित्र भी दिए जाएंगे।

(7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध प्रतिपिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।

(9) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग** - (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ख) परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय/राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास; और

(v) बढ़ावा दिए गए और पैरा-4 में उल्लिखित क्रियाकलाप।

(ग) परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा।

(घ) परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी।

(ङ.) परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(च) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव-विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत-** आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों/नदियों/जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा जल आवाह प्रबंधन योजना इस रीति से बनाई जाएगी कि उसमें इन क्षेत्रों या इनके निकटवर्ती क्षेत्रों में विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

(3) **पर्यटन/पारिस्थितिकी पर्यटन -** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनानी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात् :-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। तथापि, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगा।

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन

पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/ रिजॉर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का संचिर्माण अनुज्ञात नहीं होगा।

(4) **प्राकृतिक विरासत-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबंधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण-** कर्नाटक राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन बने ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण संबंधी विनियमों को लागू करेगा।

(7) **वायु प्रदूषण --** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

(8) **बहिष्काव का निस्सारण-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिष्काव का निस्सारण, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत शामिल किए गए पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण संबंधी साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, इनमें जो भी अधिक कठोर हों, के अनुसार किया जाएगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जाएगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट -** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जाएगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि

317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात:-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण:-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन जैसे कि सीएनजी, एलपीजी आदि के प्रयोग के प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां:-** (i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण:-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

(18) केन्द्र सरकार और राज्य सरकार, यदि आवश्यक समझें तो, इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए, अन्य उपाय विनिर्दिष्ट करेंगी।

4. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन (सीआरजेड) अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टिप्पणी
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर की खदान और उनको तोड़ने की इकाइयां।	(क) स्थानीय निवासियों की वास्तविक घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले क्रियाकलापों, जिनमें घरों के निर्माण या मरम्मत और मकान बनाने एवं अन्य क्रियाकलापों के लिए देशी टाइलें या ईंटें बनाने हेतु जमीन की खुदाई शामिल है, को छोड़कर सभी नई और वर्तमान (लघु एवं वृहद खनिज) पत्थर खोदने एवं तोड़ने वाली इकाइयां तत्काल प्रभाव से निषिद्ध की जाती हैं ;

		(ख) खनन क्रियाकलाप, टी.एन. गोदावर्मन थिरूमलपाद बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं 202 में दिनांक 4 अगस्त, 2006 तथा गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 2012 की रिट याचिका(सिविल) सं. 435 में दिनांक 21 अप्रैल, 2014 के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार किए जाएंगे।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी। (ख) जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	बड़ी ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रावों का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में नई आरा मिलों की स्थापना और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
6.	ईंट भट्टों की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
7.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
ख. विनियमित क्रियाकलाप		
8.	होटलों और रिजॉर्ट की वाणिज्यिक स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण के सिवाय, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी। परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार इनमें जो भी अधिक निकट हो, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार करने की अनुज्ञा होगी।
9.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: (ख) परंतु स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी :- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई

		<p>सड़कों का संनिर्माण करना;</p> <p>(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण करना;</p> <p>(iii) फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किए गए वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों की स्थापना ;</p> <p>(iv) ग्रामीण उद्योगों सहित कुटीर उद्योगों, सुविधा भण्डारों और ग्रह-वास सहित पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक स्थानीय सुविधाओं की व्यवस्था; और</p> <p>(v) इस अधिसूचना में सूचीबद्ध बढ़ावा दिए गए क्रियाकलाप।</p> <p>(ग) परन्तु गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे।</p> <p>(घ) एक किलोमीटर क्षेत्र से आगे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।</p>
10.	वृक्षों की कटाई।	<p>(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि या सरकार भूमि या राजस्व भूमि या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई की अनुज्ञा नहीं होगी।</p> <p>(ख) वृक्षों की कटाई केंद्रीय या संबंधित राज्य के अधिनियमों और उनके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।</p>
11.	फर्मों, कारपोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
12.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा। भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा।
13.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	यह व्यवस्था लागू विधियों, नियमों, विनियमों और मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ की जाएगी।
14.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ बनाना और नई सड़कों का निर्माण करना।	ये कार्य लागू विधियों, नियमों, विनियमों और मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ किये जाएंगे।
15.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
16.	पहाड़ी ढलानों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।

17.	रात्रि में सड़क यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा।
18.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
19.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्त्राव का निस्सारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्त्राव के निस्सारण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्त्राव का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
20.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
21.	कृषि या अन्य उपयोग के लिए खुले कुएं/ बोर कुएं आदि का निर्माण।	समुचित प्राधिकारी द्वारा विनियमित किया जाएगा तथा क्रियाकलाप की सख्त निगरानी की जाएगी।
22.	ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
23.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
24.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
25.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
ग.संबंधित क्रियाकलाप		
26.	वर्षा जल संचय।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
27.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
28.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
29.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
30.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. **निगरानी समिति-** केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की प्रभावी निगरानी के लिए निम्नलिखित को शामिल करके एक निगरानी समिति गठित करती है:—

1.	क्षेत्रीय आयुक्त, बेंगलुरु	-अध्यक्ष;
2.	माननीय विधान सभा सदस्य, सागर निर्वाचन क्षेत्र, शिवमोग्गा जिला	-सदस्य;
3.	माननीय विधान सभा सदस्य, होन्नावारा निर्वाचन क्षेत्र उत्तरा कर्नाडा जिला	-सदस्य;
4.	पर्यावरण विभाग, कर्नाटक सरकार का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
5.	शहरी विकास विभाग, कर्नाटक सरकार का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
6.	कर्नाटक सरकार द्वारा नामित पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रहे एनजीओ का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
7.	क्षेत्रीय अधिकारी, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शिवमोग्गा	-सदस्य;

8.	कर्नाटक सरकार द्वारा पारिस्थितिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ नामित किया जाएगा	-सदस्य;
9.	उपायुक्त या उनके प्रतिनिधि शिवमोगगा	-सदस्य;
10.	राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता का एक विशेषज्ञ	-सदस्य;
11.	राज्य लोक निर्माण विभाग का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
12.	उप संरक्षक वन्यजीव संभाग, शिवमोगगा	-सदस्य सचिव।

*(बशर्ते कि कर्नाटक राज्य सरकार अन्य बातों के साथ-साथ आवश्यक होने पर विधानसभा के अध्यक्ष की अनुमति सहित संगत अनुमोदन प्राप्त करे)

6. विचारार्थ विषय:- (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में के अन्तर्गत सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त या संबद्ध उद्यान उप वन संरक्षक ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में वन्यजीव वार्डन को, **उपाबंध VI** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अधीन होंगे।

[फा.सं. 25/138/2015-ई एस जेड-आर ई]

डॉ सतीश चन्द्र गढकोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध ।**संरक्षित क्षेत्र के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण**

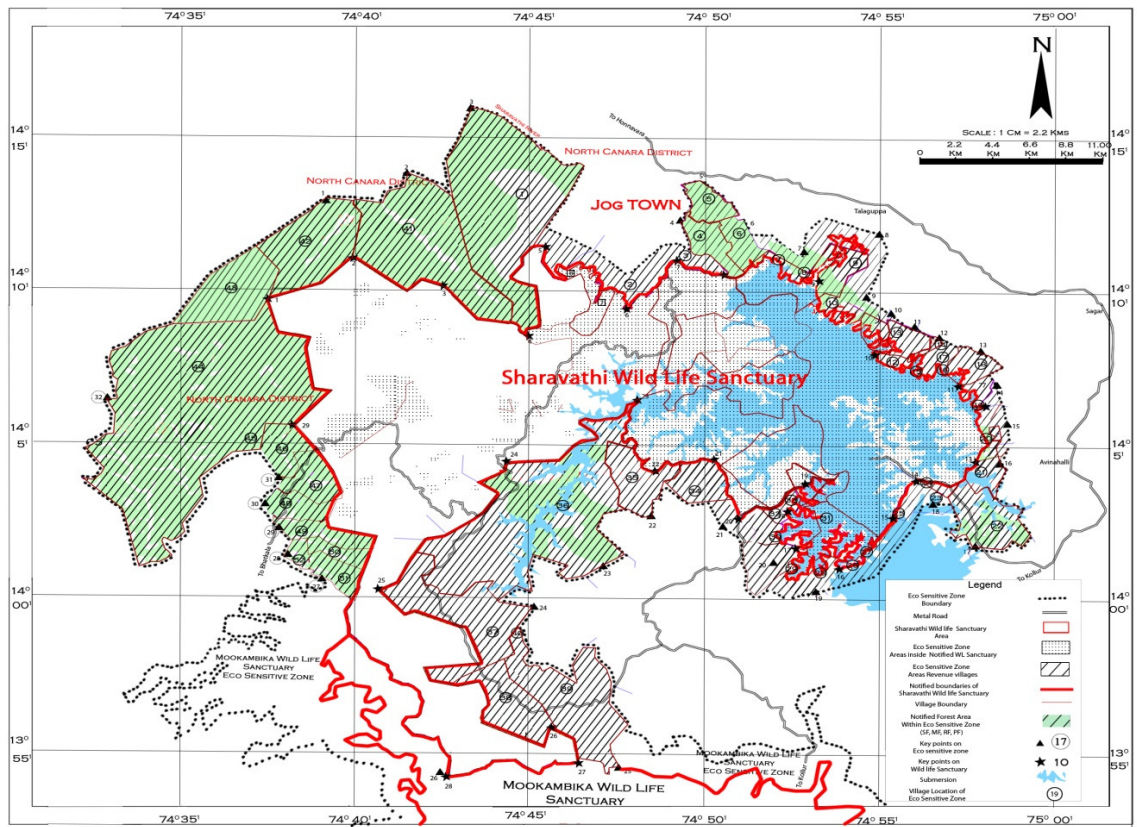
उत्तर:	सीमा नाडावडा तालाकलाले ग्राम (जोग राज्य वन) की उत्तरी सीमा के साथ दक्षिण पश्चिम दिशा में जाती है और करगल ग्राम के सर्वे.सं.1 एन तालाकलाले ग्राम के सर्वे.सं.151 के बिंदु और शेरावती नदी के दाएं तल के त्रि- जंक्शन से मिलती है। इसके बाद रेखा जोग राज्य वन और करगल राज्य वन की सामान्य सीमा के साथ दक्षिणी दिशा में जाती है और करगल ग्राम के सर्वे.सं.9 के दक्षिण पूर्व कोण से मिलती है, जो कि अभयारण्य सीमा से 1.0 किलोमीटर है। इसके बाद सीमाएं सागरा तालुक के करगल, बिलागलूरु और नाडावडा बीडारूरु ग्रामों के साथ अभयारण्य सीमा के चरम बिंदु से समान दूरी पर 1 किलोमीटर तक विस्तृत है यह शेरावती नदी तक पहुंचती है जो कि इदूवनी ग्राम (इदूवनी राज्य वन) पर बिंदु है। इसके बाद रेखा इदूवनी राज्य वन के पश्चिमी भाग पर शेरावती नदी के साथ उत्तरी दिशा में जाती है यह उत्तरी कनारा जिला सीमा तक पहुंचती है। इसके अतिरिक्त रेखा इदूवनी राज्य वन की उत्तरी और पूर्वी सीमा पर जाती है यह अभयारण्य सीमा से 1.0 किलोमीटर की दूरी में हरवल्ली ग्राम के उत्तरी मुख्य कोण के सर्वे. सं.68 तक छूती है। इसके बाद सीमाएं हारावल्ली, हिरेमने के साथ अभयारण्य सीमा के चरम बिंदु से समान दूरी पर 1 किलोमीटर तक विस्तृत है और बल्लेन्ने राज्य वन की उत्तरी सीमा से मिलती है और इसके अतिरिक्त रेखा बल्लेने राज्य वन की उत्तरी सीमा के साथ दक्षिण पूर्व दिशा में जाती है और इसके अतिरिक्त सीमाएं बल्लेन्ने, बेलेगेरे, नील्लेहलेथोटा देवूसा, मरादावल्ली, केसावीनामने, नाडामल्ला, ब्राह्मणामल्ला और हूलीकोदू ग्रामों के साथ अभयारण्य सीमा के चरम बिंदुओं से समान दूरी पर 1 किलोमीटर तक विस्तृत है।
पूर्व:	ऊपर के बिंदु से रेखा बेनकाटावल्ली, नाडावडाल्ली, चीक्काममथूरु; मथीकोप्पा, बेसूर ग्रामों के साथ अभयारण्य सीमा के चरम बिंदुओं से समान दूरी पर 1 किलोमीटर तक विस्तृत है यह बेसूर रिजर्व वन की पूर्वी सीमा पर बिंदु तक पहुंचती है और बेसूर ग्राम के सर्वे.सं. 20 के त्रि-जंक्शन बिंदु दक्षिणी से मिलती है।
दक्षिण:	ऊपर के बिंदु से रेखा बेसूर ग्राम के उसी (दक्षिणी) भाग के साथ जाती है और कोप्पदी ग्राम पहुंचती है और इसके अतिरिक्त रेखा कीप्पदी, अम्बरागोल्दु, कगरसी, किरावसे, बरहम्नावादा हरदूरुनदाकेप्पिगे, बरहम्नकेप्पिगे,अरभाल्ली और नादावादावादी के साथ अभयारण्य सीमा के चरम बिंदु से समान दूरी पर 1 किलोमीटर तक विस्तृत है। इसके बाद रेखा बी. होसाहल्ली, बी.कालासावाल्ली की पश्चिमी सीमा के साथ जाती है अभयारण्य सीमा से 1 किलोमीटर की दूरी में बोलगेरे ग्राम सीमा तक छूती है और इसके अतिरिक्त कुछ दूरी के लिए पश्चिम दिशा में जाती है चंद्रावल्ली ग्राम के सर्वे.सं.19 पर बिंदु को छूती है और चंद्रावल्ली ग्राम सीमा की उत्तर पूर्वी सीमा के साथ उत्तर पश्चिम कि ओर जाती है यह चंद्रावल्ली ग्राम को उत्तरी मुख्य टीप तक पहुंचती है। इसके बाद रेखा कलूरु ग्राम सीमा के दक्षिणी भाग के साथ जाती है जो कि चंद्रावल्ली ग्राम को उत्तरी सीमा है और यह चंद्रावल्ली ग्राम सीमा तक पहुंचती है। इस बिंदु से रेखा कुछ दूरी के लिए चेन्नागोंडा रिजर्व वन सीमा के दक्षिण पूर्व भाग के जाती है और चेन्नागोंडा ग्राम के उसी दक्षिणी भाग के लिए पुनः जाती है यह कट्टीनाकरु ग्राम के सर्वे सं 165 के उत्तरी टीप में कट्टीनाकरु ग्राम सीमा तक पहुंचती है जहां धारा में बब्बिगे ग्राम है और इसके बाद उसी धारा के साथ पुनः दक्षिण कि ओर जाती है यह कोदानाहल्ली ग्राम सीमा पर बिंदु तक पहुंचती है। इस बिंदु से सीमा रेखा कोदानाहल्ली ग्राम की उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ जाती है यह मौकांबिका वन्यजीव अभयारण्य की पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा तक पहुंचती है।
पश्चिम:	सीमा सर्वे सं-16 के दक्षिणी मुख्य टीप से आरंभ होती है कूलावदी ग्राम के सर्वे. सं.16,19,20,14 के साथ उत्तर-पश्चिम दिशा में मौकाम्बिका वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी सीमा के साथ होते हुए जाती है और यह कूनतवनी, हदावल्ली और कूलावदी ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु पहुंचती है। इस बिंदु से सीमा

कूलावदी ग्राम के सर्वे सं.14 के साथ उत्तर पूर्व दिशा में होते हुए जाती है और कूलावदी, हदावल्ली और ओनीबगीलू ग्रामों के त्रि-जंक्शन पहुंचती है। इसके बाद रेखा ओनीबगीलू ग्रामों के त्रि-जंक्शन पहुंचती है। इसके बाद रेखा ओनीबगीलू ग्राम के सर्वे सं.3 के साथ उत्तरी दिशा में जाती है यह धारा में ओनीबगीलू ग्राम के सर्वे सं.3 उत्तर पश्चिमी मुख्य बिंदु पहुंचती है जो कि ओनीबगीलू और हदावल्ली ग्रामों के द्वि-जंक्शन बिंदु है। इसके बाद रेखा ओनीबगीलू ग्राम के उत्तरी सीमा के साथ पूर्वी दिशा में जाती है जो कि ओनीबगीलू और हदावल्ली ग्रामों के सामान्य ग्राम सीमा है और ओनीबगीलू ग्राम के पूर्वी मुख्य बिंदु पहुंचती है, जो कि ओनीबगीलू, हदावल्ली और कूरानदूर ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु है। इसके बाद रेखा हदावल्ली ग्राम के सर्वे सं.40,38 और 41 के साथ उत्तर पूर्व दिशा में जाती है और हदावल्ली ग्राम के सर्वे सं.33 और 41 के उत्तरी मुख्य द्वि-जंक्शन बिंदु पहुंचती है। इसके बाद रेखा सर्वे सं.33 की उत्तरी सीमा के साथ पुनः और हदावल्ली, हसारावल्ली, हलयानी ग्रामों के सामान्य ग्राम में जाती है यह हदावल्ली, हलयानी और मूराकोदी ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु पहुंचती है। इस बिंदु से रेखा मूराकोदी ग्राम के सर्वे सं.29 के साथ दक्षिण पश्चिम की ओर जाती है यह धारा पहुंचती है और इसके अतिरिक्त धारा के साथ जाती है जो कि हलयानी और बड़ेबैग ग्रामों की सामान्य ग्राम सीमा है जहां धारा पर हलयानी ग्राम के सर्वे सं.29 है जो कि हलयानी और बड़ेबैग ग्रामों पर सामान्य बिंदु है। इसके बाद रेखा दक्षिण पश्चिम दिशा में जाती है और इसके बाद हलयानी और बड़ेबैग ग्रामों की सामान्य ग्राम सीमा के साथ उत्तर पूर्व दिशा के साथ जाती है जो कि हलयानी बड़ेबैग और हसारावल्ली ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु है। इसके अतिरिक्त, रेखा बड़ेबैग और हसारावल्ली की सामान्य ग्राम सीमा के साथ उत्तर पूर्व दिशा में पुनः जाती है यह धारा तक पहुंचती है। इसके बाद रेखा बड़ेबैग ग्राम की उत्तरी सीमा पर पश्चिम दिशा की ओर धारा के साथ जाती है जो कि बड़ेबैग और अग्गा ग्रामों की सामान्य सीमा है और इसके अतिरिक्त अग्गा ग्रामों की पश्चिमी सीमा के साथ जाती है यह अग्गा, हेनजीले, बड़ेबैग और कोप्पा ग्रामों के क्यूदरा-जंक्शन बिंदु तक पहुंचती है।

इस बिंदु के ऊपर से सीमा रेखा पश्चिम कि ओर, दक्षिण कि ओर उत्तर कि ओर साथ जाती है और इसके बाद कोप्पा ग्राम सीमा के साथ पूर्व कि ओर जाती है जो कि कोप्पा, बदेबग, हुदील, गधालकि, किटरे, कोटखंद, बिरल्लंड, चिकांकोड, बेंगरे, कइकिनी, मवाल्ली, कोचोदी, सम्पोल्ली, अदीकेकुली, अशिकेरी की सामान्य ग्राम सीमा है यह अशिकेरी, कोप्पा और मगोदू ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु तक पहुंचती है। इस बिंदु से रेखा अशिकेरी ग्राम की पूर्वी सीमा के साथ उत्तर की ओर जाती है यह सर्वे सं.7 एवं 2 की पूर्वी टीप तक पहुंचती है जो कि होन्नावारा तालुक के अशिकेरी एवं मगोदू ग्रामों के द्वि-जंक्शन बिंदु है। इसके बाद रेखा मगोदू के सामान्य सर्वेक्षण रेखा 90 और 91 के साथ उत्तरपूर्व में जाती है यह मगोदू, शीरकूर और कंदोदी ग्रामों की सामान्य ग्राम सीमा के साथ उत्तर पूर्व के साथ जाती है यह शीरकूर, कंदोदी और हेगारागद्दे (नगरबसथीकेरी) ग्रामों के सामान्य त्रि-जंक्शन बिंदु तक पहुंचती है। इसके अतिरिक्त, सीमा कंदोदी ग्राम की उत्तरी सीमा के साथ पूर्व दिशा कि ओर जाती है यह कंदोदी, हेगारागद्दे (नगरबसथीकेरे) और हदगेरी ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु तक पहुंचती है। इसके बाद रेखा हदगेरी ग्राम की उत्तरी सीमा के साथ जाती है यह हदगेरी, बेगोदी और नादावदा तालाकालाले (एन-तालाकालोल) ग्रामों के त्रि-जंक्शन बिंदु तक पहुंचती है और इसके अतिरिक्त होन्नावार तालुक के बेगोदी और हेगारागद्दे ग्रामों की पूर्वी सीमाएं के साथ जाती है; जो कि नादावादा तालाकालाले ग्राम (जोग रिजर्व वन'ए') सीमा का भाग और पुनः यह शेरावती नदी तक छुता है।

उपाबंध - II

शेरावती वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध-III

(क) शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के मुख्य अवस्थानों के अक्षांश-देशांतर

मानचित्र आई डी	देशांतर	अक्षांश
1	पू 74° 39' 2.921 ¹¹	उ 14° 11' 34.114 ¹¹
2	पू 74° 41' 41.921 ¹¹	उ 14° 12' 9.017 ¹¹
3	पू 74° 46' 21.581 ¹¹	उ 14° 09' 42.497 ¹¹
4	पू 74° 49' 37.612 ¹¹	उ 14° 13' 27.95 ¹¹
5	पू 74° 80' 30.94 ¹¹	उ 14° 12' 53.106 ¹¹
6	पू 74° 51' 8.785 ¹¹	उ 14° 12' 39.541 ¹¹
7	पू 74° 52' 34.02 ¹¹	उ 14° 11' 03.91 ¹¹
8	पू 74° 55' 07.48 ¹¹	उ 14° 11' 17.29 ¹¹
8	पू 74° 55' 07.48 ¹¹	उ 14° 11' 17.29 ¹¹
9	पू 74° 54' 56.01 ¹¹	उ 14° 09' 19.73 ¹¹
10	पू 74° 55' 47.59 ¹¹	उ 14° 08' 39.12 ¹¹
11	पू 74° 56' 39.18 ¹¹	उ 14° 08' 42.09 ¹¹

12	पू 74° 57' 04.91 ¹¹	उ 14° 08' 13.54 ¹¹
13	पू 74° 58' 12.22 ¹¹	उ 14° 07' 39.21 ¹¹
14	पू 74° 58' 38.22 ¹¹	उ 14° 06' 41.61 ¹¹
15	पू 74° 58' 44.75 ¹¹	उ 14° 05' 42.29 ¹¹
16	पू 74° 59' 10.84 ¹¹	उ 14° 04' 01.04 ¹¹
17	पू 74° 00' 4.786 ¹¹	उ 14° 01' 22.777 ¹¹
18	पू 74° 57' 04.86 ¹¹	उ 14° 03' 15.35 ¹¹
19	पू 74° 54' 12.62 ¹¹	उ 14° 00' 37.00 ¹¹
20	पू 74° 51' 48.45 ¹¹	उ 14° 02' 13.45 ¹¹
21	पू 74° 50' 40.00 ¹¹	उ 14° 02' 22.86 ¹¹
22	पू 74° 48' 36.056 ¹¹	उ 14° 02' 35.505 ¹¹
23	पू 74° 47' 51.742 ¹¹	उ 14° 01' 13.253 ¹¹
24	पू 74° 45' 8.357 ¹¹	उ 13° 59' 10.228 ¹¹
25	पू 74° 46' 36.475 ¹¹	उ 13° 54' 34.288 ¹¹
26	पू 74° 42' 40.15 ¹¹	उ 13° 56' 17.51 ¹¹
27	पू 74° 39' 5.506 ¹¹	उ 13° 59' 58.651 ¹¹
28	पू 74° 40' 6.216 ¹¹	उ 14° 01' 48.68 ¹¹
29	पू 74° 38' 55.165 ¹¹	उ 14° 02' 16.968 ¹¹
30	पू 74° 38' 40.824 ¹¹	उ 14° 03' 2.212 ¹¹
31	पू 74° 38' 48.702 ¹¹	उ 14° 03' 57.799 ¹¹
32	पू 74° 35' 47.726 ¹¹	उ 14° 08' 26.675 ¹¹

(ख) शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के मुख्य अवस्थानों के अक्षांश-देशांतर

मानचित्र आई डी	देशांतर	अक्षांश
1	74°37'31.87"पू	14° 8'28.89"उ
2	74°39'54.06"पू	14° 9'28.74"उ
3	74°42'34.16"पू	14° 8'44.76"उ
4	74°44'57.75"पू	14° 7'29.46"उ
5	74°45'29.93"पू	14° 9'45.05"उ
6	74°47'52.64"पू	14° 8'6.09"उ
7	74°49'13.20"पू	14° 9'24.50"उ
8	74°50'43.53"पू	14° 9'3.67"उ
9	74°53'27.41"पू	14° 8'7.15"उ
10	74°55'7.38"पू	14° 6'59.20"उ
11	74°57'40.76"पू	14° 6'32.85"उ
12	74°58'8.24"पू	14° 5'40.38"उ

मानचित्र आई डी	देशांतर	अक्षांश
13	74°57'43.28"पू	14° 4'6.25"उ
14	74°57'20.05"पू	14° 3'42.81"उ
15	74°55'42.40"पू	14° 3'11.19"उ
16	74°54'1.41"पू	14° 1'31.31"उ
17	74°52'44.41"पू	14° 2'1.88"उ
18	74°52'37.10"पू	14° 3'1.30"उ
19	74°53'11.68"पू	14° 3'52.60"उ
20	74°51'5.63"पू	14° 2'48.14"उ
21	74°50'19.60"पू	14° 4'17.76"उ
22	74°48'40.88"पू	14° 3'59.19"उ
23	74°48'9.60"पू	14° 5'50.22"उ
24	74°43'36.79"पू	14° 3'45.65"उ
25	74°40'41.23"पू	14° 1'0.80"उ
26	74°46'18.58"पू	13°57'14.91"उ
27	74°46'24.15"पू	13°56'37.88"उ
28	74°42'40.15"पू	13°56'17.51"उ
29	74°38'14.58"पू	14° 5'13.45"उ

उपाबंध-IV

सारणी क: शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्राम क्षेत्र की सूची

मानचित्र आई डी	ग्राम नाम	शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य सीमा से पारिस्थितिकी संवेदी जोन की चौड़ाई	जिला	विस्तार (हेक्टेयर में)	अक्षांश (डिग्री,मिनट सैकेड)			देशांतर (डिग्री,मिनट सैकेड)		
					14	9	42.49	74	46	21.58
1	एन.तालाका लाले	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	1788.22	14	9	42.49	74	46	21.58
2	एन. बेकरूरु	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	148.2	14	9	50.89	74	48	45.7
3	बिलागालुर	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	277.2	14	11	36.08	74	47	39.99
4	इदुवानी	पूर्ण	शिवमोग्गा	216.71	14	13	27.95	74	49	37.61
5	कंटोटा	पूर्ण	शिवमोग्गा	30.8	14	12	53.1	74	80	30.94
6	होरावाल्ली	पूर्ण	शिवमोग्गा	356.27	14	12	39.54	74	51	8.78
7	हिरमन	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	177.4	14	11	22.3	74	52	52.32
8	होन्नेमरदु	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	753.05	14	11	35.77	74	51	54.12
9	बेल्लान्ने	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	10.39	14	11	26.79	74	55	2.37

10	बेलेगरू	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	450.86	14	9	52.52	74	54	28.97
11	नितलेहालेटोहा	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	500.03	14	9	28.35	74	55	7.66
12	देवासा	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	144	14	7	49.6	74	55	33.32
13	मरादावाल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	195.4	14	9	11.36	74	55	52.16
14	केसाविनामेने	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	7.65	14	8	12.96	74	57	10.63
15	नदामाला	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	30	14	6	41.6	74	56	0.57
16	बराहामानामाल्ला	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	635	14	6	18.08	74	66	51.37
17	हुल्कोदु	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	225	14	7	40.97	74	57	24.17
18	बेन्कटवाल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	168.6	14	8	13.66	74	57	52.92
19	नदावाधाल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	300	14	7	20.4	74	59	12.92
20	चिक्कामथुर	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	841	14	4	35.61	74	57	6.08
21	मथिकोप्पा	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	200	14	4	9.01	74	59	25.717
22	बेसुर	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	857.56	14	1	22.77	74	0	4.78
23	किप्पादी	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	230	14	2	59.28	74	55	51.04
24	अमबरगोदलु	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	112	14	1	22.77	74	57	34.5
25	कगरासु	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	172.12	14	4	72	74	55	27.49
26	किरूवासे	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	800	14	0	21.12	74	54	9.19
27	बराहामानाहाराधुर	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	40	14	0	41.45	74	54	10.18
28	नादावादाकेप्पिग	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	169.91	14	0	51.57	74	53	3.18
29	बराहामानाकेप्पिग	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	106	14	0	33.82	74	51	53.75
30	अराबल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	270	14	2	14.93	74	51	46.94
31	नदावादा अवादी	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	149.72	14	2	51.24	74	53	5.03
32	बी.होसाहाल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	220.89	14	3	18.15	74	52	18.82
33	केलासावाल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	21.34	14	4	45.97	74	52	7.43
34	वालागरे	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	1000	14	3	45.97	74	50	3.29
35	कल्लुर	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	1128.17	14	2	35.5	74	48	36.05
36	चेन्नागोंधा	पूर्ण	शिवमोग्गा	4506.96	14	1	13.25	74	47	52.74
37	कट्टीनाकरू	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	1690.8	14	59	10.22	74	45	8.35
38	करानी	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	1359.78	14	56	22.98	74	45	52.96
39	कोदानाहाल्ली	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	2448.55	14	54	34.28	74	46	36.47
40	बोब्बिगे	1 किलोमीटर	शिवमोग्गा	262.2	14	58	50.37	74	46	29.24
			कुल:	24907.03						

सारणी ख: शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत स्थित वन संलग्न ग्रामों का विवरण

क्र.सं.	संलग्न के नाम	ग्राम के नाम	सर्वे सं.	क्षेत्र		
				एकड़	गुंटा	
1	संलग्न-1	गुदीहीटलु	7	30	0	
2	संलग्न-2		17	25	0	
3	संलग्न -3		9	50	0	
4	संलग्न -4		23,33	70	0	
5	संलग्न -5		43,37	50	0	
6	संलग्न -6	बलिगा	54,35	110	0	
7	संलग्न -7		60,4,35,54	100	0	
8	संलग्न -8		61	25	0	
9	संलग्न -9		4	0	0	
9A	संलग्न -9क		68	0	0	
10	संलग्न -10	नेल्लेरी	5,11,10	410	0	
11	संलग्न -11	नागावाल्ली	60,89,42	1140	0	
12	संलग्न-12		18	300	0	
13			21	300	0	
14	संलग्न-13	उरूलुगाल्लु	41	100	0	
15	संलग्न-14		41	100	0	
15a	संलग्न-15		21	40	0	
16			16	160	0	
17	संलग्न-16		1	60	0	
20	संलग्न-17		1	20	0	
21			30	40	0	
22			1	100	0	
23	संलग्न-19	कनुर	41	20	0	
24	संलग्न-19क		41	0	0	
25	संलग्न-20		41	15	0	
26	संलग्न-21		50	6	0	
27	संलग्न-22		50	25	0	
28	संलग्न-23		50	35	0	
29	संलग्न-24		पश्चिमी	104	0	
30	संलग्न सं-25		कनापागरू	1231,03,111	887	14
31	संलग्न सं-26	4,60,19		750	0	
32	संलग्न सं-26 क	76		0	0	
33	संलग्न सं-27			341,30,126	280	0

34	संलग्न सं-28		66	90	0
35	संलग्न सं-29		80	15	0
36	संलग्न सं-30		125	120	0
37	संलग्न सं-31		68	100	0
32	संलग्न सं-32	भानुकुली	36,5	120	0
33	संलग्न सं-33		28,19	40	0
34	संलग्न सं-34		19	0	0
35	संलग्न सं-35		19	25	0
36	संलग्न सं-36		57	250	0
37	संलग्न सं-37		5	50	0
38	संलग्न सं-38		3,56,52	60	0
39	संलग्न सं-39		23,25	90	0
			कुल:	6312	14
				2554.57 Ha	

उपाबंध-V

शेरावती घाटी वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत रिजर्व/ अधिसूचित वनों का विवरण

क्र.सं.	डिवीजन	वन का नाम/ ग्राम	अधिसूचना सं. और दिनांक	क्षेत्र से हेक्टेयर	विधी स्थिती
1.	होन्नावारा	कुलावादी	जी.एन.सं.3647-ए 31-05-1898 जी.एन.सं. -36/9/5278-ए 01-05-1922	324.52	आर एफ
2.	होन्नावारा	आनिवागिलु	जी.एन.सं.3647-ए 31-05-1898	58.90	आर एफ
3.	होन्नावारा	कुरांदुर	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898	346.42	आर एफ
4.	होन्नावारा	हदावाल्ली	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898	279.55	आर एफ
5.	होन्नावारा	हल्यानि	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898	519.99	आर एफ
6.	होन्नावारा	हसारावाल्लि	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898	598.01	आर एफ
7.	होन्नावारा	अग्गा	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898	215.68	आर एफ
8.	होन्नावारा	हेंजिले	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898	291.88	आर एफ
9.	होन्नावारा	कोप्पा	जी.एन.सं.3647- ए 31-05-1898 जी.एन.सं..8972 से 30-09-1922 जी.एन.सं.6848 से 08-07-1919 जी.एन.सं. एस-35/9/13182 से 21-08-1923 जी.एन.सं. एस-36/9/5278- ए 01-05-1922	9100.40	आर एफ
10.	होन्नावारा	मगोदु	जी.एन.सं.7309-बी 04-10-1897	1034.95	आर एफ

11.	होन्नावारा	कंदोदी	जी.एन.सं.7309-बी 04-10-1897 .एन.ए और एफ डी एफ एल डी.2653.147724 -ई 24-12-1955	1748.36	आर एफ
12.	होन्नावारा	हृदगेरी	जी.एन.सं..7309-बी 04-10-1897 जी.एन.ए और एफ डी सं.एफ एल डी.2655/147724 -इ 24-12-1955	3629.13	आर एफ
13.	सागर	चान्नागोंदा	जी. 2903-6 एफटी. 53-35- 2/16.10.1935.	1740.01	आर एफ
14.	सागर	चेन्नागोंदा	एफईई 129एफएएफ 93 दिनांक:09.02.1994	144.52	पी एफ
15.	सागर	बेल्लेन्ने	आर. 5845 एफटी. 33-12-7 / दिनांक.12.4.1913.	735.74	एस एफ
16.	सागर	बेसुर	एफ ई ई-21-एफएएफ-2004 दिनांक:21.09.2005	433.83	आर एफ
17.	सागर	चीकमथुर	एफ एफ डी 139एफ ए एफ 80 दिनांक:16.12.1981	305.54	पी एफ
18.	सागर	कगरसि	एफ एफ डी 127 एफ ए एफ 80 दिनांक: 22.07.1980	49.88	आर एफ
19.	सागर	जोग "क"और "ख" खंड (भाग)	आर.5111 एफ टी. 46-08-7/ दिनांक 22.1.1909.	3104.59	एस एफ
20.	सागर	लदुवानि	आर.4224एफटी. 138-11-9/ दिनांक 12.2.1913.	949.50	एस एफ
			कुल:	25611.4	

* आर एफ: - आरक्षित वन; एस एफ: - राज्य वन; पी एफ: - संरक्षित वन

उपाबंध-VI

पारिस्थितिकी संवेदी जोन की निगरानी समिति-की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार। विवरण उपाबंध के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।

6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार। विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला।

**MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th September, 2018

S.O. 4894 (E).— In supersession of Ministry's draft notification S.O 3351 (E), dated 29 December, 2015, the following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the Public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at: -esz-mef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, the Sharavati Valley Wildlife Sanctuary (431.23 sq km) is situated in Shivamogga District of Karnataka State Lies between latitudes 13° 54' to 14° 12' North and longitudes 74° 38' to 75° 00' East. The Sharavathi Wildlife Sanctuary 'Eco sensitive zone' lies between North Latitudes 13° 53' 40" to E 74° 46' 21.581" and the East Longitude 74° 34' 50" to 75° 00' 15" and was notified vide Government order No. AFD70/FWL71/ Dated 20.04.1972 and having an area of 431.23 Sq. Kms with a final notification under the provisions of Wild life protection Act 1972 vide AFD/12/FWL/74 Dated 27.06.1974. Wildlife Division has been functioning independently since 16.04.1987 after taking over 6 State Forests, submersion area and islands, from Sagar Territorial Division.

AND WHEREAS, the Sharavati Valley Wildlife Sanctuary is spread over parts of Sagara taluk of Shivamogga District. The Geographical area of Sanctuary is 431.23 Sq. Kms out of which an area of 123.63 Sq. Kms is under the water spread of Sharavathi Reservoir. The total geographical area of Eco Sensitive zone is 530.72 Sq. Kms. The area is covered by moist deciduous, semi evergreen, Shola forests and evergreen forests of Sahyadri hills of 'Western Ghats', which is a magnificent piece of beautiful and valuable forest track. In spite of severe biotic pressure, parts of the sanctuary have been able to retain its pristine, dense and diverse vegetation. It is therefore absolutely essential to ensure that the existing resources are not only effectively conserved but appropriate steps are also initiated to further improve the resources.

AND WHEREAS, the Sanctuary is immensely rich in flora and fauna both in variety and diversity. These forests consist of valuable tree species including Teak, Sandal, Rosewood, Honne, Nandi etc. and harbour Wildlife like Bison, Spotted deer, Sambar, Tiger and Panther. The area is very rich in reptiles and avifauna population. The hilly area forms the catchment basin for Sharavati River, clustered with small and big nalas. The area serves as an abode for many vertebrates and invertebrates. The Sanctuary has innumerable herbs, shrubs, ferns and grasses some of which are yet to be surveyed and listed.

AND WHEREAS, Rare, Endangered and Threatened species of mammals found in Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary are Tiger (*Panthera tigris*), Dhole (*Cuon alpinus*), Malabar civet (*Viverra civettina*), Brown palm civet (*Paradoxurus jerdonii*), Rusty Spotted Cat (*Prionailurus rubiginosus*), Lion Tailed Macaque (*Macaca silenus*), Oriental small clawed otter (*Aonyx cinerarea*), Smooth coated otter (*Lutrogale perspicillata*), Elephant (*Elephas maximus*), Dusky striped squirrel (*Funambulus sublineatus*) etc.,

AND WHEREAS, Rare, Endangered and Threatened species of reptiles Marsh crocodile (*Crocodylus palustris*) found in Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary.

AND WHEREAS, Rare, Endangered and Threatened species of amphibians found in the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary are Beddome's toad (*Duttaphrynus beddomii*), Malabar torrent toad (*Ghatophryne ornate*), Sahyadri fejevarya (*Fejevarya sahyadris*), Mudduraja cricket frog (*Fejevarya Mudd raja*), Mangalore cricket frog (*Fejevarya granosa*), Malabar tree toad (*Pedostibes tuberculosus*), Marbled ramanella (*Ramanella marmorata*), Jog

night frog (*Nyctibatrachus jog*), Humayun's night frog (*Nyctibatrachus humayuni*), Amboli bush frog (*Pseudophilautus amboli*), Wynaad bush frog (*Pseudophilautus wynaadensis*), Karnataka bubble nest frog (*Raorchestes charius*), Ponnudi bush frog (*Raorchestes ponnudi*), Small tree frog (*Rhacophorus lateralis*) etc.

AND WHEREAS, Rare, Endangered and Threatened species of Snakes found in the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary are King cobra (*Ophiophagus hannah*), Whitaker's boa (*Eryx whitakeri*), Black bellied shield tail (*Teretrurus sanguineus*), Wynaad shield tail (*Melanophidium wynaadense*) etc.

AND WHEREAS, Rare, Endangered and Threatened species of birds found in the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary are Woolly necked stork (*Ciconia episcopus*), Lesser Adjutant Stork (*Leptoptilos javanicus*), Shaheen falcon (*Falco peregrines peregrinator*) etc.

AND WHEREAS, Rare, Endangered and Threatened species of flora found in the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary are Frangipani vine (*Chonemorpha grandiflora*, (Roth) M. R. & S. M. Almeida), Sarpagandha (*Rauvolfia serpentina* L. Benth. ex. Kurz.), (*Raphidophora laciniata* (N. Burn) Merrill), Black Dummar (*Canarium strictum* Roxb.), Ashoka tree (*Saraca asoca* (Roxb.) De Wilde), Kokum (*Garcinia indica* (Thouars) Choisy), Mysore gamboges (*Garcinia morella* (Gaertn.) Desr.), Cambi gum tree (*Gardenia gummifera* Linn.), (*Dipterocarpus indicus* Bedd.), Ponga (*Hopea ponga* (Dennst.) Mabblerley), Saldhoopa (*Vateria indica* L.), (*Diospyros candolleana* Wt.), Panicked ebony (*Diospyros paniculata* Dalz.), Junglee almond (*Hydnocarpus pentandra* (Buch-Ham.) Oken), Salacia (*Salacia oblonga* Wall), Ghanera (*Nothapodytes nimmoniana* (Graham.) Mabb.), Large flowered bay tree (*Persea acrantha* (Nees) Kosterm), (*Dysoxylum malabaricum* Bedd.), Wild jack (*Artocarpus hirsutus* Lam.), Bitter nutmeg (*Myristica dactyloides* Gaertn.), Rosewood (*Dalbergia latifolia* Roxb.), (*Pseudarthria viscida* (L.) Wight & Arn.), Hondala (*Adenia hondala* (Gaertn.) de Wilde), White sandalwood (*Santalum album* Linn.), (*Pterospermum reticulatum* Wt. & Arn.), Lodhra (*Symplocos racemosa* Roxb.), (*Aphananthe cuspidata* (Bl.) Planch.), Hill turmeric (*Curcuma pseudomontana* J. Graham.) etc.

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area to the extent and boundaries of which is specified in paragraph 1 of this notification around the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuaries as Eco-sensitive Zone from Ecological and Environmental point of view and to prohibit industries or class of industry and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone to protect wildlife and their habitat therein or its environment;

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area with an extent varying from 1.0 kilometer to 13.80 kilometer around the boundary of Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary in the State of Karnataka as the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary Eco-sensitive Zone (herein after referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. - (1) The extent of Eco-sensitive Zone varies from 1.0 kilometer to 13.80 kilometer around the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary. The area of the Eco-Sensitive Zone is **530.72 square kilometers.**

(2) The boundary description of the Eco Sensitive Zone is appended at **Annexure I.**

(3) The map of the Protected Area demarcating the Eco-sensitive Zone boundary is at **Annexure II.**

(4) List of geo co-ordinates of the boundary of the Protected Area and the Eco-Sensitive Zone is at **Annexure III (A) and (B)** respectively.

(5) The list of villages falling within the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure IV(A) and (B)** respectively.

(6) The total extent of Reserve/notified Forests within the Eco-sensitive Zone of Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary is 256.11 Sq. Kms. The details are appended as **Annexure-V.**

2. Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone. - (1) The State Government shall, for the purpose of effective management of the Eco-Sensitive Zone, prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of Final Notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this Notification for approval of Competent Authority in the State Government.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following State Departments, for integrating environmental and ecological considerations into the said plan:

(i) Environment

- (ii) Forest and Wildlife
- (iii) Agriculture
- (iv) Revenue
- (v) Urban Development
- (vi) Tourism
- (vii) Rural Development
- (viii) Irrigation and Flood Control
- (ix) Municipal
- (x) Panjayati Raj
- (xi) Public Works Department
- (xii) Highways
- (xiii) Karnataka State Pollution Control Board

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded and degraded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies and also with supporting maps. The Plan shall be supported by Maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited, regulated activities listed in table and also ensure and promote eco-friendly development for livelihood security of local communities.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use. –

(a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for major commercial or major residential complex or industrial activities.

(b) Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a), within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central/State Government as applicable and vide provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents such as:

- (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- (iii) Small scale industries not causing pollution;
- (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- (v) Promoted activities and given in paragraph:

(c) Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

(d) Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

(e) Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(f) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) **Natural water bodies.** - The catchment areas of all natural springs/rivers/channels shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism/ Eco-tourism**

(a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-Sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) No new construction of hotels and resorts shall be allowed within 1 km from the boundary of the protected area or upto the extent of the ESZ whichever is nearer. However, beyond the distance of 1 km from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for Eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan.

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;

(iii) Until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel /resort or commercial establishment construction is permitted within ESZ area.

(4) **Natural Heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.**- Buildings, structures, artifacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.** - The Environment Department of the State Government or Karnataka State Pollution Control Board shall implement the regulations for control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions stipulated of The Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment (Protection) Act, 1986 and amendments thereto.

(7) **Air pollution.**- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied with in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and rules made there under and amendments thereto.

(8) **Discharge of effluents.** - Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environmental (Protection) Act, 1986 and rules made there under or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) **Solid wastes.** - Disposal and Management of solid wastes shall be as under:

(a) the solid waste disposal and management in Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016 and published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change vide notification number S.O. 1357 (E), dated 8th April, 2016 as amended from time to time; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.** - Bio-medical waste management shall be as under:

(a) The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide Notification Number GSR 343 (E), dated the 28th March, 2016 as amended from time to time.

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of biomedical wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

(11) **Plastic Waste Management.**- The Plastic Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.

(12) **Construction and Demolition Waste Management.** - The Construction and Demolition Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) **E-waste.** - The E- Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and as amended from time to time.

(14) **Vehicular traffic.** - The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made there under.

(15) **Vehicular Pollution.** - Prevention and control of Vehicular Pollution shall be complied with in accordance with applicable laws. Efforts to be made for use of cleaner fuel for example CNG, LPG, etc.

(16) **Industrial Units.**- (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be allowed to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) **Protection of Hill Slopes:** The protection of hill slopes shall be as under:

(a) The Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted.

(b) No construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall be permitted.

(18) The Central Government and the State Government shall specify other additional measures, if it considers necessary, in giving effect to the provisions of this notification.

4. List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone:

All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone (CRZ), 2011 and the Environmental Impact Assessment (EIA) Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927) the Wildlife(Protection) Act 1972 (53 of 1972) and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

Sl.No.	Activity	Remarks
Prohibited Activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited except for the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing for personal consumption. (b) The mining operations shall strictly be in accordance with the orders of the Hon'ble Supreme Court dated 04 th August, 2006 in the matter of T.N. GodavarmanThirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No. 202 of 1995 and order of the Hon'ble Supreme Court dated 21 st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P. (C) No. 435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	(a) No new industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted. (b) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted. However, household small kirani shops etc., should be permitted within 1 km from the boundary of the Protected Area.
3.	Establishment of new major thermal and hydro-electric projects..	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Discharge of untreated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
5.	Setting of new saw mills.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
6.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws
7.	Use or production of any hazardous substances.	Regulated under applicable laws.
Regulated Activities		
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary or upto the extent Eco-sensitive Zone, whichever is nearer except for small temporary structures for Eco-tourism activities. Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan guidelines as applicable.
9.	Construction activities.	(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within 1 km from the boundary of the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer: (b) Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their residential and local commercial use including the activities listed in subparagraph (1) of paragraph 3 as per building byelaws to meet the residential needs of the local residents such as:

		<p>(i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;</p> <p>(ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities;</p> <p>(iii) Small scale industries not causing pollution termed as per Classification done by Central Pollution Control Board of February 2016;</p> <p>(iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting Eco-tourism including homestays; and</p> <p>(v) Promotional activities listed in this Notification.</p> <p>(c) Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.</p> <p>(d) Beyond one kilometer it shall be regulated as per Zonal Master Plan.</p>
10.	Felling of trees.	<p>a) There shall be no felling of trees on the forest or government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government.</p> <p>b) Felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.</p>
11.	Establishment of large scale commercial live stock and poultry farms by firms, corporate, companies .	Regulated under applicable laws.
12.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws. Underground cabling may be promoted.
13.	Infrastructure including civic amenities.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
14.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
15.	Undertaking other activities related to tourism like over flying the ESZ area by hot-air balloon, drones, helicopters, Microlites.	Regulated under applicable laws.
16.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated under applicable laws.
17.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose, under applicable laws.
18.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws for use of locals.
19.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water/effluents shall be avoided to enter into the water bodies. Efforts to be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water/effluents shall be regulated as per applicable laws.
20.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated under applicable law.

21.	Open Well, Bore Well etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
22.	Solid Waste Management.	Regulated under applicable laws.
23.	Introduction of Exotic species.	Regulated under applicable laws.
24.	Use of polythene bags.	Regulated under applicable laws.
25.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated under applicable laws.
Promoted Activities		
26.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
27.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
28.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
29.	Cottage industries including village artisans.	Shall be actively promoted.
30.	Use of renewable energy sources.	Bio gas, solar light etc. to be activity promoted
31.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.

8. Monitoring Committee - The Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, for effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), comprising of the following namely:-

1. Regional Commissioner, Bengaluru -Chairman;
2. Hon'ble Member of Legislative Assembly, Sagar* -Member;
Constituency Shivamogga District
3. Hon'ble Member of Legislative Assembly, Honnavara* Constituency Uttara -Member;
Kannada District
4. A representative of the Department of Environment, Government of -Member;
Karnataka
5. A representative of the Department of Urban Development, Government of -Member;
Karnataka
6. A representative of NGO working in the field of environment to be nominated -Member;
by the Government of Karnataka for
7. The Regional Officer, Karnataka State Pollution Control Board, Shivamogga -Member;
8. An expert in the area of ecology and environment to be nominated by the -Member;
Government of Karnataka
9. Deputy Commissioner or his representative, Shivamogga -Member;
10. An expert in Biodiversity nominated by the State Government -Member;
11. A representative from State Public Works Department -Member;
12. The Deputy Conservator of Forests, Wildlife Division, Shivamogga -Member

Secretary.

*(Subject to the State Government of Karnataka obtaining relevant approvals inter alia including permission from the Speaker of Legislative Assembly, Karnataka, if required)

6. Terms of Reference. –

- (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.
- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee would be constituted by the State Government.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (5) The Member Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma given in **Annexure VI.**
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification are subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal.

[F. No. 25/138/2015-ESZ-RE]

DR. SATISH C. GARHOTI, Scientist 'G'
ANNEXURE-I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE OF THE PROTECTED AREA

North:	The boundary runs in southwest direction along the northern boundary of Nadavada Talakalale village (Jog State Forest) and meets the tri-junction point of Sy. No. 1 of Kargal village, Sy. No. 151 of N.Talakalale village and right bank of Sharavathi river. Then the line runs in southern direction along
---------------	--

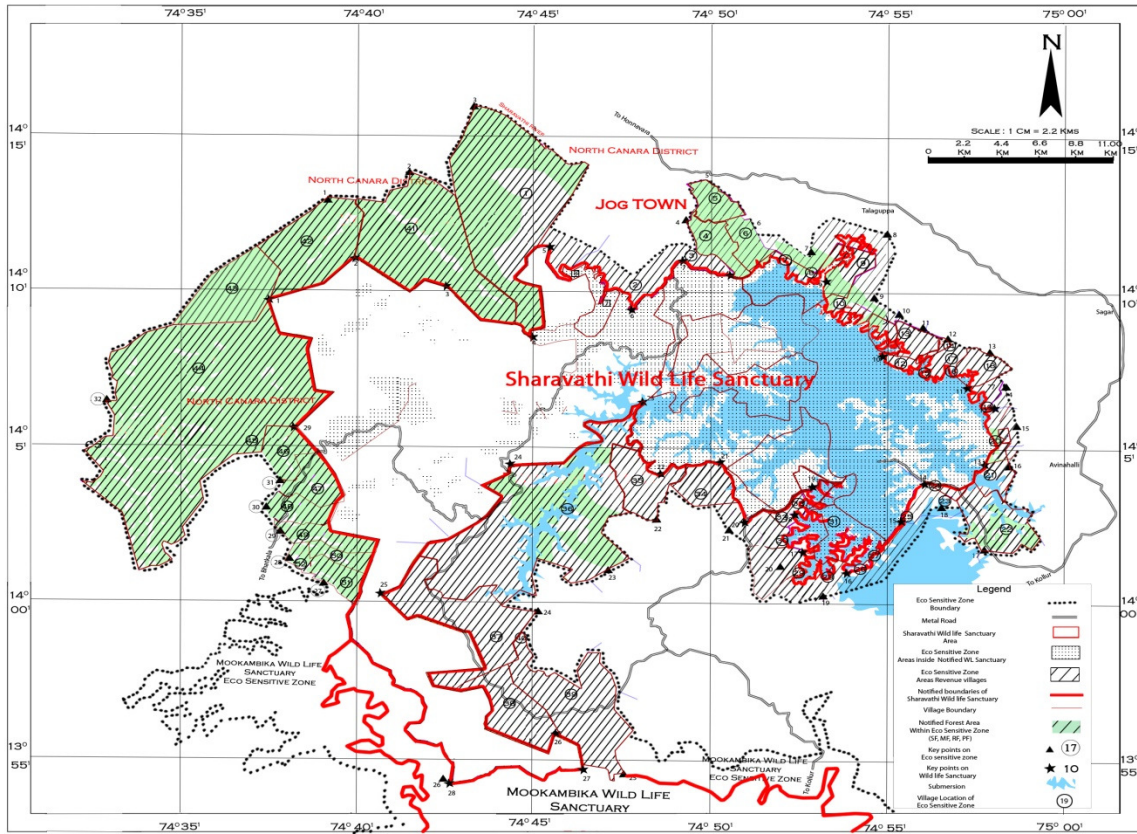
	<p>the common boundary of Jog State Forest and Kargal State Forest and meets the southeast corner of Sy. No. 9 of Kargal village i.e. 1.0 Km from the Sanctuary boundary. Then the boundaries are extended to 1 Km equidistant from the extreme points of the Sanctuary boundary with respect to Kargal, Bilagaluru and NadavadaBidaruru villages of SagaraTaluk till it reaches the Sharavathi river which happens to be a point on the Iduvani village (Iduvani State Forest). Then the line runs in the northern direction along the Sharavathi river on the western portion of the Iduvani State Forest until it reaches the North Kanara District boundary. Further the line runs on the northern and eastern boundary of Iduvani State Forest till it touches the Sy. No. 68 of northern most corner of Haravalli village at a distance of 1.0 Km from the Sanctuary boundary. Then the boundaries are extended to 1 Km equidistant from the extreme points of the Sanctuary boundary with respect to Haravalli, Hiremane and meets the northern boundary of the Belenne State Forest and further the line runs in southeast direction along the northern boundary of the Belenne State Forest and further the the boundaries are extended to 1 Km equidistant from the extreme points of the Sanctuary boundary with respect to Belenne, Belegere, NitleHalethota, Devusa, Maradavalli, Kesavinamane, Nadamalla, Brahmanamalla andHulikodu villages.</p>
East:	<p>From the above point the line is extended to 1 Km equidistant from the extreme points of the Sanctuary boundary with respect to Benkatavalli, Nadavadalli, Chikkamathuru, Mathikoppa, Besurvillages till it reaches a point on the eastern boundary of Besur Reserve Forest and meets the southernmost tri-junction point of Sy. No. 20 of Besur village.</p>
South:	<p>Form the above point the line runs along the remaining (southern) portion of the Besur village and reaches the Kippadi village and further the line is extended to 1 Km equidistant from the extreme points of the Sanctuary boundary with respect to Kippadi, Ambaragodlu, Kagarsi, Kiravase, BrahmanavadaHaraduru, Nadakeppige, Brahmanakeppige, Arabhalli and Nadavadaavadi. Then the line runs along the western boundary of B.Hosahalli, B.Kalasavalli villages till touches the Volagere village boundary at a distance of 1 Km from the Sanctuary boundary and further runs in west direction for some distance till reaches a point on the Sy. No. 19 of the Chandravalli village and runs northwest along the northeastern boundary of the Chandravalli village boundary till it reaches the northern most tip of the Chandravalli village. Then the line runs along the southern portion of the Kaluru village boundary which happens to be the northern boundary of Chandravalli village and runs till it reaches the Chandravalli village boundary. From this point the line runs along the southeast portion of the Chennagonda Reserve forest boundary for some distance and continuous along the remaining southern portion of the Chennaonda village till it reaches the Kattinakaruru village boundary at the northern tip of Sy. No.165 of Kattinakaruru village where it the Babbige village at a stream and then continuous southwards along the same stream till it reaches the point on the Kodanahalli village boundary. From this point the boundary line runs along the northern, eastern and southern boundary of the Kodanahalli village till it reaches the Eco-sensitive boundary of the Mookambika Wildlife Sanctuary.</p>
West:	<p>The boundary starts from the southernmost tip of Sy. No. 16 and passes along the Eco-sensitive boundary of Mookambika Wildlife Sanctuary in northwest direction along the Sy. Nos. 16, 19, 20, 14 of Kulavadi village till it reaches the tri-junction point of Kuntavani, Hadavalli and Kulavadi villages. From this point the boundary runs in north-east direction along Sy. No. 14 of Kulavadi village and reaches the tri-junction point of Kulavadi, Hadavalli and Onibagilu villages. Then the line runs in northern direction along the Sy. No. 3 of Onibagilu village till it reaches north western most point of Sy.</p>

No. 3 of Onibagilu at the stream which is the bi-junction point of Onibagilu and Hadavalli villages. Then the line runs in eastern direction along the northern boundary of Onibagilu village, which is the common village boundary of Onibagilu and Hadavalli villages and reaches eastern most point of Onibagilu village, which is the tri-junction point of Onibagilu, Hadavalli and Kurandur villages. Then the line runs in northeast direction along the Sy. No. 40, 38 and 41 of Hadavalli village and reaches the northern most bi-junction point of Sy. Nos. 33 and 41 of Hadavallivillage. Then the line continuous along the northern boundary of Sy. No. 33 and the common village of Hadavalli, Hasaravalli and Halyani villages till it reach the tri-junction point of Hadavalli, Halyani and Murakodi villages. From this point the line runs along the common village boundary of Murakodi and Halyani villages till it reaches the northern most point of Sy. No. 4 of Murakodi village. Then the boundary runs towards southwest along the Sy. No. 29 of Halyani village till it reaches the stream and further runs along the stream which happens to be common village boundary of Halyani and Badebag villages where the Sy. No. 29 of Halyani village falls on stream which happens to be common point on Halyani and Badebag villages. Then the line runs in southwest direction and then along the northeast direction along the common village boundary of Halyani and Badebag villages which is tri-junction point of Halyani, Badebag and Hasaravalli villages. Further, the line continous in northeast direction along common village boundary of Badebag and Hasaravalli till it reaches the stream. Then the line runs along the stream in westward direction on the northern boundary of Badebag village which is common boundary of Badebag and Agga villages and further runs along western boundary of Agga villages till it reaches the Quadra-junction point of Agga, Henjile, Badebag and Koppa villages.

From the above point the boundary line runs along the westwards, southwards and northwards and then eastwards along the Koppa village boundary which happens to be common village boundary of Koppa, Badebag, Hudil, Gadhalki, Kitre, Kotkhand, Biralkhand, Chikankod, Bengre, Kaikini, Mavalli, Kochodi, Sampolli, Adikekuli, Ashikeri till it reaches the tri-junction point of Ashikeri, Koppa and Magodu villages. From this point the line runs northwards along the eastern boundary of Ashikeri village till reaches the eastern tip of Sy. Nos. 7 & 2 which happens to be bi-junction point of Ashikeri & Magodu villages of Honnavara Taluk. Then the line runs northeast along the common survey line of 90 and 91 of Magodu till it reaches the tri-junction point of Magodu, Shirkur and Kandodi villages. Then the line runs towards northeast along the common village boundary of Shirkur and Kandodi villages till it reaches the common tri-junction point of Shirkur, Kandodi and Heggargadde (Nagarbasthikere) villages. Further, the line runs in eastward direction along the northern boundary of Kandodi village till it reaches the tri-junction point of Kandodi, Heggargadde (Nagarbasthikere) and Hadgeri villages. Then the line runs along the northern boundary of Hadgeri village till it reaches the tri-junction point of Hadgeri, Begodi and Nadavada Talakalale (N-Talakalale) villages and further runs along the eastern boundaries Begodi and Heggargadde villages of Honnavara Taluk, which happens to be the portion of Nadavada Talakalale village (Jog Reserve Forest 'A') boundary and continuous till it touches the Sharavathi River.

ANNEXURE-II

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF SHARAVATHI VALLEY WILDLIFE SANCTUARY



ANNEXURE-III

(A) Latitude-Longitude of Prominent Locations of the Eco-sensitive Zone boundary of Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary

Map Id	Longitude	Latitude
1	E 74° 39' 2.921 ¹¹	N 14° 11' 34.114 ¹¹
2	E 74° 41' 41.921 ¹¹	N 14° 12' 9.017 ¹¹
3	E 74° 46' 21.581 ¹¹	N 14° 09' 42.497 ¹¹
4	E 74° 49' 37.612 ¹¹	N 14° 13' 27.95 ¹¹
5	E 74° 80' 30.94 ¹¹	N 14° 12' 53.106 ¹¹
6	E 74° 51' 8.785 ¹¹	N 14° 12' 39.541 ¹¹
7	E 74° 52' 34.02 ¹¹	N 14° 11' 03.91 ¹¹
8	E 74° 55' 07.48 ¹¹	N 14° 11' 17.29 ¹¹
8	E 74° 55' 07.48 ¹¹	N 14° 11' 17.29 ¹¹
9	E 74° 54' 56.01 ¹¹	N 14° 09' 19.73 ¹¹
10	E 74° 55' 47.59 ¹¹	N 14° 08' 39.12 ¹¹
11	E 74° 56' 39.18 ¹¹	N 14° 08' 42.09 ¹¹
12	E 74° 57' 04.91 ¹¹	N 14° 08' 13.54 ¹¹
13	E 74° 58' 12.22 ¹¹	N 14° 07' 39.21 ¹¹
14	E 74° 58' 38.22 ¹¹	N 14° 06' 41.61 ¹¹

15	E 74° 58' 44.75 ¹¹	N 14° 05' 42.29 ¹¹
16	E 74° 59' 10.84 ¹¹	N 14° 04' 01.04 ¹¹
17	E 74° 00' 4.786 ¹¹	N 14° 01' 22.777 ¹¹
18	E 74° 57' 04.86 ¹¹	N 14° 03' 15.35 ¹¹
19	E 74° 54' 12.62 ¹¹	N 14° 00' 37.00 ¹¹
20	E 74° 51' 48.45 ¹¹	N 14° 02' 13.45 ¹¹
21	E 74° 50' 40.00 ¹¹	N 14° 02' 22.86 ¹¹
22	E 74° 48' 36.056 ¹¹	N 14° 02' 35.505 ¹¹
23	E 74° 47' 51.742 ¹¹	N 14° 01' 13.253 ¹¹
24	E 74° 45' 8.357 ¹¹	N 13° 59' 10.228 ¹¹
25	E 74° 46' 36.475 ¹¹	N 13° 54' 34.288 ¹¹
26	E 74° 42' 40.15 ¹¹	N 13° 56' 17.51 ¹¹
27	E 74° 39' 5.506 ¹¹	N 13° 59' 58.651 ¹¹
28	E 74° 40' 6.216 ¹¹	N 14° 01' 48.68 ¹¹
29	E 74° 38' 55.165 ¹¹	N 14° 02' 16.968 ¹¹
30	E 74° 38' 40.824 ¹¹	N 14° 03' 2.212 ¹¹
31	E 74° 38' 48.702 ¹¹	N 14° 03' 57.799 ¹¹
32	E 74° 35' 47.726 ¹¹	N 14° 08' 26.675 ¹¹

(B) Latitude-Longitude of Prominent Locations on the boundary of Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary

Map Id	Longitude	Latitude
1	74°37'31.87"E	14° 8'28.89"N
2	74°39'54.06"E	14° 9'28.74"N
3	74°42'34.16"E	14° 8'44.76"N
4	74°44'57.75"E	14° 7'29.46"N
5	74°45'29.93"E	14° 9'45.05"N
6	74°47'52.64"E	14° 8'6.09"N
7	74°49'13.20"E	14° 9'24.50"N
8	74°50'43.53"E	14° 9'3.67"N
9	74°53'27.41"E	14° 8'7.15"N
10	74°55'7.38"E	14° 6'59.20"N
11	74°57'40.76"E	14° 6'32.85"N
12	74°58'8.24"E	14° 5'40.38"N
13	74°57'43.28"E	14° 4'6.25"N
14	74°57'20.05"E	14° 3'42.81"N
15	74°55'42.40"E	14° 3'11.19"N
16	74°54'1.41"E	14° 1'31.31"N
17	74°52'44.41"E	14° 2'1.88"N
18	74°52'37.10"E	14° 3'1.30"N

19	74°53'11.68"E	14° 3'52.60"N
20	74°51'5.63"E	14° 2'48.14"N
21	74°50'19.60"E	14° 4'17.76"N
22	74°48'40.88"E	14° 3'59.19"N
23	74°48'9.60"E	14° 5'50.22"N
24	74°43'36.79"E	14° 3'45.65"N
25	74°40'41.23"E	14° 1'0.80"N
26	74°46'18.58"E	13°57'14.91"N
27	74°46'24.15"E	13°56'37.88"N
28	74°42'40.15"E	13°56'17.51"N
29	74°38'14.58"E	14° 5'13.45"N

ANNEXURE-IV

TABLE A: List of village area coming under Eco-Sensitive Zone of Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary

Map id	Village name	ESZ width from Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary boundary	District	Extent in (Ha.)	Latitude (Degree, Minutes Seconds)			Longitude (Degree, Minutes Seconds)		
					Degree	Minutes	Seconds	Degree	Minutes	Seconds
1	N.Talakalale	1 Km	Shivamogga	1788.22	14	9	42.49	74	46	21.58
2	N. Bedaruru	1 Km	Shivamogga	148.2	14	9	50.89	74	48	45.7
3	Bilagalur	1 Km	Shivamogga	277.2	14	11	36.08	74	47	39.99
4	Iduvani	Full	Shivamogga	216.71	14	13	27.95	74	49	37.61
5	Kantota	Full	Shivamogga	30.8	14	12	53.1	74	80	30.94
6	Horavalli	Full	Shivamogga	356.27	14	12	39.54	74	51	8.78
7	Hiremane	1 Km	Shivamogga	177.4	14	11	22.3	74	52	52.32
8	Honnemmaradu	1 Km	Shivamogga	753.05	14	11	35.77	74	51	54.12
9	Bellanne	1 Km	Shivamogga	10.39	14	11	26.79	74	55	2.37
10	Balegaru	1 Km	Shivamogga	450.86	14	9	52.52	74	54	28.97
11	Nitlehaletota	1 Km	Shivamogga	500.03	14	9	28.35	74	55	7.66
12	Devasa	1 Km	Shivamogga	144	14	7	49.6	74	55	33.32
13	Maradavalli	1 Km	Shivamogga	195.4	14	9	11.36	74	55	52.16
14	Kesavinamane	1 Km	Shivamogga	7.65	14	8	12.96	74	57	10.63
15	Nadamalla	1 Km	Shivamogga	30	14	6	41.6	74	56	0.57
16	BrahamanaMalla	1 Km	Shivamogga	635	14	6	18.08	74	66	51.37
17	Hulkodu	1 Km	Shivamogga	225	14	7	40.97	74	57	24.17

18	Benkatavalli	1 Km	Shivamogga	168.6	14	8	13.66	74	57	52.92
19	Nadavadhalli	1 Km	Shivamogga	300	14	7	20.4	74	59	12.92
20	Chikkamathur	1 Km	Shivamogga	841	14	4	35.61	74	57	6.08
21	Mathikoppa	1 Km	Shivamogga	200	14	4	9.01	74	59	25.717
22	Besur	1 Km	Shivamogga	857.56	14	1	22.77	74	0	4.78
23	Kippadi	1 Km	Shivamogga	230	14	2	59.28	74	55	51.04
24	Ambargodlu	1 Km	Shivamogga	112	14	1	22.77	74	57	34.5
25	Kagarasu	1 Km	Shivamogga	172.12	14	4	72	74	55	27.49
26	Kiruvase	1 Km	Shivamogga	800	14	0	21.12	74	54	9.19
27	BrahamanaHaradhur	1 Km	Shivamogga	40	14	0	41.45	74	54	10.18
28	NadavadaKeppige	1 Km	Shivamogga	169.91	14	0	51.57	74	53	3.18
29	BrahamanaKeppige	1 Km	Shivamogga	106	14	0	33.82	74	51	53.75
30	Araballi	1 Km	Shivamogga	270	14	2	14.93	74	51	46.94
31	NadavadaAvadi	1 Km	Shivamogga	149.72	14	2	51.24	74	53	5.03
32	B.Hosahalli	1 Km	Shivamogga	220.89	14	3	18.15	74	52	18.82
33	Kalasavalli	1 Km	Shivamogga	21.34	14	4	45.97	74	52	7.43
34	Valagere	1 Km	Shivamogga	1000	14	3	45.97	74	50	3.29
35	Kallur	1 Km	Shivamogga	1128.17	14	2	35.5	74	48	36.05
36	Chennagonda	Full	Shivamogga	4506.96	14	1	13.25	74	47	52.74
37	Kattinakaru	1 Km	Shivamogga	1690.8	14	59	10.22	74	45	8.35
38	Karani	1 Km	Shivamogga	1359.78	14	56	22.98	74	45	52.96
39	Kodanahalli	1 Km	Shivamogga	2448.55	14	54	34.28	74	46	36.47
40	Bobbige	1 Km	Shivamogga	262.2	14	58	50.37	74	46	29.24
			Total:	24907.03						

TABLE B: Details of the forest enclosure villages located within the Sharavathi Valley Wildlife Sanctuary

Sl. No.	Name of the Enclosure	Name of the Village	Sy. No.	Extent	
				Acres	Gunta
1	Enclosure-1	Gudihitlu	7	30	0
2	Enclosure-2		17	25	0
3	Enclosure-3		9	50	0
4	Enclosure-4		23,33	70	0
5	Enclosure-5		43,37	50	0
6	Enclosure-6	Baliga	54,35	110	0
7	Enclosure-7		60,4,35,54	100	0
8	Enclosure-8		61	25	0

9	Enclosure-9		4	0	0
9A	Enclosure-9A		68	0	0
10	Enclosure-10	Nelleri	5,11,10	410	0
11	Enclosure-11	Nagavalli	60,89,42	1140	0
12	Enclosure-12		18	300	0
13			21	300	0
14	Enclosure-13	Urulugallu	41	100	0
15	Enclosure-14		41	100	0
15a	Enclosure-15		21	40	0
16			16	160	0
17	Enclosure-16		1	60	0
20	Enclosure-17		1	20	0
21			30	40	0
22	Enclosure-18		1	100	0
23	Enclosure-19		Kanur	41	20
24	Enclosure-19A	41		0	0
25	Enclosure-20	41		15	0
26	Enclosure-21	50		6	0
27	Enclosure-22	50		25	0
28	Enclosure-23	50		35	0
29	Enclosure-24	waste		104	0
30	Enclosure No-25	Kanapagaru	1231,03,111	887	14
31	Enclosure No-26		4,60,19	750	0
32	Enclosure No-26 A		76	0	0
33	Enclosure No-27		341,30,126	280	0
34	Enclosure No-28		66	90	0
35	Enclosure No-29		80	15	0
36	Enclosure No-30		125	120	0
37	Enclosure No-31	Bhanukuli	68	100	0
32	Enclosure No-32		36,5	120	0
33	Enclosure No-33		28,19	40	0
34	Enclosure No-34		19	0	0
35	Enclosure No-35		19	25	0
36	Enclosure No-36		57	250	0
37	Enclosure No-37		5	50	0
38	Enclosure No-38		3,56,52	60	0
39	Enclosure No-39		23,25	90	0
			Total:	6312	14
				2554.57 Ha	

ANNEXURE-V

DETAILS OF THE RESERVE/NOTIFIED FORESTS WITHIN THE ECO-SENSITIVE ZONE OF SHARAVATHI VALLEY WILDLIFE SANCTUARY

Sl. No.	Division	Name of the Forest/Village	Notification No. & Date	Area in Ha	*Legal Status
1.	Honnagara	Kulavadi	G.N.No.3647-A of 31-05-1898 G.N.No. S-36/9/5278-A of 01-05-1922	324.52	RF
2.	Honnagara	Onibagilu	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	58.90	RF
3.	Honnagara	Kurandur	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	346.42	RF
4.	Honnagara	Hadavalli	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	279.55	RF
5.	Honnagara	Halyani	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	519.99	RF
6.	Honnagara	Hasaravalli	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	598.01	RF
7.	Honnagara	Agga	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	215.68	RF
8.	Honnagara	Henjile	G.N.No.3647-A of 31-05-1898	291.88	RF
9.	Honnagara	Koppa	G.N.No.3647-A of 31-05-1898 G.N.No.8972 of 30-09-1922 G.N.No.6848 of 08-07-1919 G.N.No. S-35/9/13182 of 21-08-1923 G.N.No. S-36/9/5278-A of 01-05-1922	9100.40	RF
10.	Honnagara	Magodu	G.N.No.7309-B of 04-10-1897	1034.95	RF
11.	Honnagara	Kandodi	G.N.No.7309-B of 04-10-1897 G.N.A and FD FLD.2653.147724 -E of 24-12- 1955	1748.36	RF
12.	Honnagara	Hadgeri	G.N.No.7309-B of 04-10-1897 G.N.A and FD No.FLD.2655/147724 -E of 24- 12-1955	3629.13	RF
13.	Sagara	Channagonda	G. 2903-6 Ft. 53-35-2/16.10.1935.	1740.01	RF
14.	Sagara	Chennagonda	FEE 129FAF 93 Dt:09.02.1994	144.52	PF
15.	Sagara	Bellenne	R. 5845 Ft. 33-12-7 / Dt.12.4.1913.	735.74	SF
16.	Sagara	Besur	FEE-21-FAF-2004 Dt:21.09.2005	433.83	RF
17.	Sagara	Chikmathur	FFD 139 FAF 80 Dt:16.12.1981	305.54	PF
18.	Sagara	Kagarsi	FFD 127 FAF 80 Dt: 22.07.1980	49.88	RF
19.	Sagara	Jog "A" & "B" Block (Part)	R.5111 Ft. 46-08-7/ Dt. 22.1.1909.	3104.59	SF
20.	Sagara	Iduvani	R. 4224 Ft. 138-11-9/ Dt. 12.2.1913.	949.50	SF
			Total:	25611.4	

* **RF:** - Reserve Forest; **SF:** - State Forest; **PF:** - Protected Forest

ANNEXURE -VI

Performa of Action Taken Report: — Eco-sensitive Zone Monitoring Committee. —

1. Number and date of Meetings
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attach Minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise).
Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006.
Details may be attached as separate Annexure.
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.